विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 2 नवंबर 2020

वर्ग पंचम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित ।

8. अनुवाद के नियम

तीनों पुरुषों का सामान्य परिचय

प्रथम पुरुष- संस्कृत व्याकरण में प्रथम पुरुष वह अन्य पुरुष होता है जो न तो वक्ता

(बोलने वाला) होता है और न ही श्रोता (सुनने वाला) होता है। इसके अन्तर्गत जो शब्द आते हैं, वे हैं- सः (वह-पुं), तौ (वे दो-पुं), ते (वे सब-पुं), सा (वह-स्त्री०), ते (वे दो-स्त्री०), ताः (वे सब-स्त्री०), तत् (वह-नपुर), ते (वे दो-नपुं), तानि (वे सब-नपुं), अन्य संज्ञा शब्द जैसे- बालकः, बालकौ, बालकाः, छात्रा, छात्रे, छात्राः इत्यादि।

मध्यम पुरुष- वाक्य में श्रोता मध्यम पुरुष के अन्तर्गत आता है। इसके तीनों पुरुषों केकर्ता क्रमश इस प्रकार हैं- त्वम् (तुम), युवाम् (तुम दोनों), यूयम् (तुम सब)।

उत्तम पुरुष- वाक्य में वक्ता उत्तम पुरुष के अन्तर्गत आता है। इसके तीनों पुरुषों में

क्रमश ये कर्ता आते हैं- अहम् (मैं), आवाम् (हम दोनों), वयम् (हम सब)।

वाक्य में कर्ता जिस पुरुष और वचन का होता है उसी पुरुष और वचन की क्रिया होनी चाहिए।